पाठ्यक्रमः 21वीं सदी में गांधी (एम जी पी ई–009)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. वैश्वीकरण ने भारत जैसे विकासशील देशों में सामाजिक–सांस्कृतिक समरूपीकरण (homogenisation) तथा राजनीतिक संप्रभुता को किस प्रकार प्रभावित किया है?

2. "आधुनिक राज्य के मॉडल पर आधारित विश्व सरकार महात्मा गांधी के लिए अस्वीकार्य है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

3. संवैधानिक लोकतंत्र के विकासक्रम में, उदार लोकतंत्र, सामाजिक लोकतंत्र तथा वाणिज्यवाद (mercantilism) में आज जिस रूप में इसका व्यवहार होता है, उसकी विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. 'इंडियन ओपिनियन', 'यंग इंडिया' तथा 'हरिजन' ने भारत में जनमत को किस प्रकार आकार दिया? साथ ही, इक्कीसवीं सदी में मीडिया नैतिकता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

5. भारत ने देश के विभिन्न भागों में धार्मिक आतंकवाद सहित विभिन्न प्रकार के आतंकवाद का अनुभव किया है। तीन प्रमुख क्षेत्रों—जम्मू और कश्मीर, उत्तर-पूर्व तथा केन्द्रीय जनजातीय पट्टी (जिसमें अनेक राज्य सम्मिलित हैं)—के संदर्भ में प्रकरण-अध्ययनों (case studies) का परीक्षण कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) आर्थिक वैश्वीकरण के दुष्प्रभाव।
   ख) मानव, समाज और ब्रह्मांड के संबंध में गांधी की दृष्टि।

7. क) लोभ और अत्यधिक उपभोग प्रवृत्तियों के प्रति गांधीवादी विकल्प।
   ख) शुम्पेटर (Schumpeter) और डाहल (Dahl) के संदर्भ में बहुलवादी राज्य।

8. क) ग्राम पुनर्निर्माण के प्रति गांधी की प्रतिबद्धता।
   ख) भारतीय धर्मनिरपेक्षता के प्रति गांधी का बहुलतावादी एवं मानवतावादी दृष्टिकोण।

9. क) समावेशन की प्रक्रिया में अवरोध।
   ख) समकालीन महिला आंदोलन के लिए गांधीवादी विरासत की प्रासंगिकता।

10. क) इक्कीसवीं सदी में भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की स्थिति।
    ख) प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों का उल्लेख कीजिए।